केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 84 गुरूवार 17 अक्टूबर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

जाम की गिरफ्त में हैं बस्ती शहर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर की ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। किसी भी सड़क पर जाएं वहां जाम में फंसता तय है। वर्तमान में यह समस्या अधिक है। रोडवेज से लेकर जिला अस्पताल तक रोजाना जाम के झाम में फंस रहे। इससे लोगों का कीमती समय बर्बाद हो रहा। सर्वाधिक परेशानी मरीजों को हो रही है। शहर में जाम से निपटने के लिए किए गए सारे प्रयास फेल नजर आ रहे हैं। सुबह से लेकर शाम तक वाहन प्रमुख मार्गों पर रेंगते हैं। कंपनीबाग, कटरा–चुंकी, फौव्वारा, सिविल लाइन, गांधीनगर, रोडवेज, जिला अस्पताल, दक्षिण दरवाजा, मंगल बाजार, करुआ बाबा, पांडेय बाजार, रौता चौराहा पर आए दिन जाम के झाम में लोग परेशान हैं। जिला हॉस्पिटल से लेकर पचपेड़िया मार्ग, रोडवेज, बड़ेवन तक लंबा जाम नियति बन चुका है। कहीं–कहीं दो किलोमीटर का जाम लगा था, जहां राहगीर घंटों परेशान दिखे। कार, बाइक, साइकिल के अलावा पैदल यात्रियों को भी मुश्किलें हुई। स्कूली वाहन से लेकर एंबुलेंस तक सड़क पर फंस रहे। वहीं ट्रैफिक व्यवस्था में लगे कर्मी वाहनों को जाम से हटवाने के बजाय चालान काटते दिखे।

रेप पीड़िता की इलाज के दौरान लखनऊ में मौत, आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र में किशोरी के साथ दुष्कर्म और डीजल छिड़क कर आग लगाने के चलते गंभीर रूप से झुलसी पीड़िता ने घटना के 15 दिन बाद लखनऊ में दम तोड़ दिया। पीड़िता लखनऊ स्थित श्यामा प्रसाद हॉस्पिटल में भर्ती थी। कप्तानगंज थाने से एक पुलिस टीम भी लखनऊ पहुंच गई। लखनऊ में ही पोस्टमार्टम बाद शव को बस्ती लाया जाएगा। सीओ कलवारी प्रदीप कुमार तिवारी ने बताया कि पीड़िता की मौत की सूचना मिली है। नामजद आरोपी शंकर को गिरफ्तार कर लिया है। कप्तानगंज थाने में दर्ज मुकदमे में सुसंगत धाराओं की बढ़ोत्तरी की जाएगी। कप्तानगंज थानाक्षेत्र की रहने वाली सत्रह वर्षीय किशोरी बीते एक अक्टूबर को संदिग्ध हाल में घर में ही झुलस गई थी। उसे एंबुलेंस की मदद से सीएचसी कप्तानगंज में भर्ती कराया गया था। यहां से प्राथमिक इलाज के बाद उसे जिला अस्पताल और यहां से हॉयर सेंटर गोरखपुर रेफर कर दिया गया था। किशोरी के शरीर का करीब 80 फीसदी हिस्सा झुलस गया था। नौ अक्टूबर को परिजन उसे अस्पताल से घर ले आए थे। इसके बाद 12 अक्टूबर को कप्तानगंज थाने पर पहुंचकर गांव निवासी शंकर गौड़ के खिलाफ तहरीर सौंपी थी। आरोप लगाया कि गत एक अक्टूबर की शाम उनकी बेटी जब घर में अकेली थी, तब गांव का रहने वाला शंकर घर में घुस गया और उसके साथ जोर–जबरदस्ती की थी। बेटी ने विरोध किया तो जान से मार की नीयत से घर में रखा डीजल छिड़क कर आग लगा दिया था। आरोपी ने किसी से घटना के बारे में न बताने की धमकी भी देते हुए अपशब्द और जातिसूचक शब्द का प्रयोग भी किया था।

पीड़िता की हालत जब फिर बिगड़ने लगी तो उसे बस्ती मेडिकल कॉलेज बस्ती से लखनऊ रेफर कर दिया गया था। कप्तानगंज पुलिस ने आरोपी शंकर के खिलाफ रेप समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। इलाज के दौरान पीड़िता ने लखनऊ में दम तोड़ दिया। इससे पूर्व पीड़िता का बयान मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में दर्ज किया जा चुका था। पुलिस ने आरोपी शंकर को गिरफ्तार कर लिया है।

योगी, राजनाथ और मायावती की सुरक्षा में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (आभा)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूर्व सीएम मायावती की सुरक्षा में केंद्र सरकार ने बड़ा बदलाव किया है। केंद्र सरकार ने वीआईपी सुरक्षा से आतंकवाद निरोधी कमांडो बल एनएसजी को पूरी तरह हटाने का फैसला लिया है। उनकी जगह अब सीआरपीएफ के जवान कमान संभालेंगे। गृह मंत्रालय से जारी आदेश के मुताबिक विशेष रूप से प्रशिक्षित जवानों की एक नई बटालियन को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वीआईपी सुरक्षा प्रकोष्ठ के साथ जोड़ने की स्वीकृति भी दे दी गई है। इस बटालियन को हाल में संसद सुरक्षा से हटाया गया था।

सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के 'ब्लैक कैट' कमांडो द्वारा संरक्षित 'जेड प्लस' श्रेणी के नौ वीआईपी लोगों में सीएम योगी आदित्यनाथ और पूर्व सीएम मायावती भी शामिल हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, भाजपा नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद, नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में भी बदलाव किया गया है। इन सभी लोगों को सीआरपीएफ का सुरक्षा घेरा प्रदान किया जाएगा। जानकारी के अनुसार गृह मंत्रालय के अधीन दो बलों के बीच जिम्मेदारियों का हस्तांतरण एक महीने के भीतर पूरा होने की संभावना है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ जिसमें छह वीआईपी सुरक्षा बटालियन हैं, से इस काम के लिए एक और सातवीं बटालियन को शामिल करने को कहा गया है। नई बटालियन वह होगी जो कुछ महीने पहले तक संसद की सुरक्षा में लगी थी। अधिकारी ने बताया कि संसद में पिछले साल सुरक्षा में चूक का मामला सामने आने के बाद संसद की सुरक्षा सीआरपीएफ से सीआईएसएफ को सौंप दी गई थी। सूत्रों के अनुसार नया कार्यभार संभालने की प्रक्रिया के तहत आंध्र प्रदेश पुलिस की एक टीम हाल में अपने मुख्यमंत्री की सुरक्षा को एनएसजी से बदलकर सीआरपीएफ को सौंपने के मद्देनजर दिल्ली में थी। सूत्रों के अनुसार, इन नौ वीआईपी से दो को सीआरपीएफ द्वारा दिया जाने वाला उन्नत सुरक्षा संपर्क (एएसएल) प्रोटोकॉल भी प्रदान किया जाएगा। इनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ हैं। एएसएल में वीआईपी के आगामी दौरे वाले स्थान की पहले से जांच की जाती है। सीआरपीएफ देश में पांच वीआईपी के लिए इस तरह का प्रोटोकॉल अपनाता है, जिनमें गृह मंत्री अमित शाह, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और गांधी परिवार के तीन कांग्रेस नेता शामिल हैं।

सूत्रों ने कहा था कि वीआईपी सुरक्षा कर्तव्यों से एनएसजी को हटाए जाने के बाद लगभग 450 'ब्लैक कैट' कमांडो को मुक्त किए जाने की उम्मीद है।

उमर अब्दुल्ला ने लिया जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ

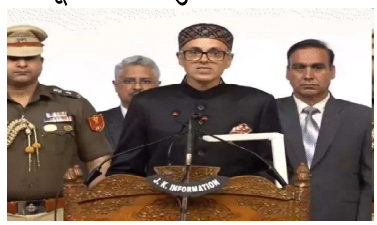

श्रीनगर (आभा)। नेशनल कॉन्फ्रेंस उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वे इस केंद्र शासित राज्य के पहले सीएम बन गए। कार्यक्रम श्रीनगर के शेर–ए–कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में हुआ।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई है। हालांकि उमर के शपथ समारोह में राहुल और प्रियंका गांधी मौजूद रहे। कांग्रेस ने सरकार को बाहर से समर्थन दिया है। पार्टी का कहना है कि जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने तक उसकी लड़ाई जारी रहेगी।

शपथ लेने के बाद उमर ने कहा कि उनकी गाड़ी के लिए सड़क पर कोई भी ग्रीन कॉरिडोर या ट्रैफिक नहीं रोका जाएगा। उन्होंने अपने मंत्रियों से भी अनुरोध किया है कि वे भी ऐसा ही करें। उमर का कहना है कि वे जनता की सेवा के लिए हैं, न कि उन्हें तकलीफ देने के लिए।

शपथ ग्रहण में अखिलेश यादव, संजय सिंह समेत 6 पार्टियों के लीडर्स पहुंचे थे। संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तमिलनाडु ब्ड एमके स्टालिन, उद्धव ठाकरे, शरद पवार, लालू प्रसाद यादव और अरविंद केजरीवाल सहित करीब 50 टच्चे को न्योता भेजा गया था। हालांकि केजरीवाल और ममता बनर्जी समारोह में नहीं पहुंचे ।भाजपा बोली– उम्मीद है शांति स्थापित करेंगेरू जम्मू–कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा– मैं उमर अब्दुल्ला को बधाई देता हूं ।

सर्राफा व्यवसायी के घर में घुसकर लाखों की चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छावनी थानाक्षेत्र के रेडवल में सर्राफा व्यावसायी के बंद घर को चोरों ने मंगलवार/ बुधवार की रात निशाना बनाया। चोर ताला तोड़कर लाखों रुपये के गहने, बर्तन उठा ले गए। बुधवार की सुबह घटना की जानकारी पाकर पुलिस व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई। प्रभारी थानाध्यक्ष कृष्ण कुमार साहू ने बताया कि घटना की छानबीन की जा रही है। थाना क्षेत्र के अमोढ़ा कस्बा में सराफा की दुकान चलाने वाले गुरु प्रसाद सोनी रेडवल में घर बनाकर रहते हैं। वह मंगलवार को अपने परिवार संग अयोध्या के पूरा बाजार में अपने एक रिश्तेदार की दुकान के उद्घाटन समारोह में शामिल होने गए थे। बंद घर में लगे लोहे का इंटर लॉक तोड़ने के बाद ताला तोड़कर चोर घर में घुस गए। मकान के चार अन्य कमरों का ताला तोड़ कर पूरा खंगाल डाला। व्यवसायी के अनुसार अलमारी से झुमकी, मंगलसूत्र, पाजेब, शादी का बर्तन सहित लाखों रुपये का सामान चोरी कर लिया गया। बुधवार की सुबह घर लौटने पर घटना की जानकारी हुई। इसके बाद उन्होंने डायल 112 पर सूचना दी।

जिला जज ने किया स्व. रामेश्वर प्रसाद माथुर पुस्तकालय का लोकार्पण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को जिला जज कुलदीप सक्सेना ने स्व. रामेश्वर प्रसाद माथुर पुस्तकालय का फीता काटकर लोकार्पण किया। जिला जज ने कहा कि विधि क्षेत्र में नवीनतम कानूनों का ज्ञान आवश्यक है। ऐसे पुस्तकालय की बहुत आवश्यकता थी। निश्चित रूप से स्व. रामेश्वर प्रसाद माथुर पुस्तकालय अधिवक्ताओं के लिये बहु उपयोगी साबित होगा। उन्होने कहा कि ज्ञान की देवी मा सरस्वती की आराधना से ही लक्ष्मी की कृपा होती है। इस पुस्तकालय के निर्माण में जिन लोगों ने योगदान दिया उनका प्रयास सराहनीय है।

वरिष्ठ अधिवक्ता भारत भूषण वर्मा ने कहा कि स्वर्गीय रामेश्वर प्रसाद माथुर पुस्तकालय से युवा अधिवक्ताओं को ज्ञान अर्जित करने का सुलभ अवसर मिलेगा और इसका लाभ वादकारियों को भी प्राप्त होगा। कहा कि स्वर्गीय रामेश्वर प्रसाद माथुर ने विधि क्षेत्र को अनेक अनुभव दिये। यह पुस्तकालय उनकी स्मृति और योगदान को रेखांकित करता रहेगा।

स्वर्गीय रामेश्वर प्रसाद माथुर पुस्तकालय का निर्माण सिविल बार एसोसिएशन द्वारा कराया गया है। निर्माण में सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश गोविंद प्रसाद माथुर और आर. पी. माथुर के सहयोग से वीरेंद्र पाण्डेय एवं बार एसोसिएशन के सचिव दयाशंकर दुबे की देखरेख में बुधवार को संपन्न हुआ । पुस्तकालय के उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रेमचंद श्रीवास्तव, चंद्रभूषण त्रिपाठी, चिन्तामणि पाण्डेय, राम रतन पाण्डेय, विपुल वर्मा, जमाल अहमद, अमितमणि, प्रशान्त श्रीवास्तव, बंशीधर पाण्डेय के साथ ही बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

इजराइल के राजदूत ने किया बंजरिया में निरीक्षण, किसानों में किया बीज का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । इजराइल सरकार के राजदूत द्वारा इण्डो–इजरायल फल उत्कृष्टता केन्द्र, बन्जरिया का निरीक्षण किया गया। उन्होने पाली हाउस में आधुनिक तकनीक से विकसित सब्जी के पौधे तथा आम की विकसित की जा रही प्रजातियों का निरीक्षण किया। राजदूत एवं उनके पत्नी द्वारा आम की पूसा लालिमा पौध का परिसर में रोपण किया गया। इण्डो–इजराइल के सलाहकार ब्रम्हदेव द्वारा इण्डो–इजरायल फल उत्कृष्टता केन्द्र के कार्य–कलापों के बारे में जानकारी दिया गया।

संयुक्त कृषि निदेशक अविनाश चन्द्र तिवारी द्वारा काला नमक धान पूसा नरेन्द्र के0एन0–1 का न्यूक्लियस बीज सम्वर्द्धन से 50 हजार हेक्टेयर में आच्छादन बढ़ाने की जानकारी दी गयी। बृजेन्द्र बहादुर पाल, ग्राम–पचारी कला, विकास खण्ड–रूधौली, जनपद–बस्ती द्वारा काला नमक चावल की गुणवत्ता बताते हुए काला नमक चावल भेंट किया गया।

राजदूत द्वारा कृषक राम निहोर, शिवनाथ, सुरेश सिंह, राम पूरन चौधरी, राजाराम एवं अन्य कृषको को सरसो प्रजाति गिरिराज बीज मिनीकिट एवं फूलगोभी तथा टमाटर के बीज दिये गये। इजरायल सरकार के राजदूत द्वारा इण्डो–इजरायल के अच्छे कार्यो का निरीक्षण करने के उपरान्त अपने सम्बोधन प्रसन्नता व्यक्त की गयी तथा अपना उद्गार व्यक्त किया गया कि इण्डो– इजरायल प्रोजेक्ट का क्रियांवयन सफलतापूर्वक किया जा रहा है तथा कृषको को अनुदान पर सब्जी आदि के पाली हाउस में उत्पादित उन्नतशील प्रजाति के पौधे दिये जा रहे है, जो उत्साहजनक है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बन्जरिया के सभाकक्ष में उप कृषि निदेशक अशोक कुमार गौतम ने पुष्पगुच्छ देकर राजदूत एवं उनकी पत्नी का स्वागत किया। निरीक्षण के समय संयुक्त निदेशक, औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र डा0 वीरेन्द्र सिंह, नोडल अधिकारी मिशन (एम0 आई0 डी एच0)/ उप निदेशक (उद्यान), पंकज शुक्ल, जिला उद्यान अधिकारी अरुण कुमार तिवारी एवं अन्य प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहें।

रसोईयों ने मांगों के समर्थन में सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। । छात्र संख्या कम होने के बहाने प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों को बंद कर छात्रों व अध्यापकों को अन्यत्र समायोजित किए जाने का मिड डे मील रसोइया कर्मचारी यूनियन विरोध करती है। रसोइयों का भी समायोजन किया जाना उचित होगा। इसके साथ ही पाल्य,नवीनीकरण की व्यवस्था समाप्त किए जाने ,न्यूनतम 26000 रुपए प्रतिमाह वेतन नियमित तौर पर दिए जाने ,चंद्रावती केस में उच्च न्यायालय के निर्णय को लागू किए जाने सहित अन्य मांग को लेकर मिड डे मील रसोइया कर्मचारी यूनियन के मंडलीय कमेटी के आवाहन पर मंडल के बस्ती सहित तीनों जनपदों की तहसील पर धरना प्रदर्शन का क्रम जारी है। प्रदर्शन के क्रम में बस्ती जनपद के हरैया तहसील पर जिला कमेटी के उपाध्यक्ष राम निरख यादव के नेतृत्व में हरैया ब्लॉक परिसर से रसोइयों ने जुलूस निकाल कर उप जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी हरैया विनोद पांडेय को सौंपा।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए संगठन के जिला मंत्री ध्रुव चंद ने कहा कि सरकार प्राथमिक शिक्षा की जवाबदेही से हाथ झाड़ रही है ।प्राथमिक शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को निजी हाथों में सौंपने की नीति घातक होगी।बड़ी संख्या में बच्चे आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा नहीं पा सकेंगे।विद्यालयों को बंद करने के बजाय छात्र संख्या बढ़ाने के उपाय करने होंगे। यह भी जांच होनी चाहिए प्राथमिक विद्यालयों में छात्र संख्या घट क्यों रही है।इससे गरीब रसोइया भी प्रभावित हो रहे है। जिला उपाध्यक्ष राम निरख ने कहा कि मांग पत्र में प्रति माह नियमित भुगतान करने,12 माह का मानदेय दिए जाने ,बिना कारण बताओ नोटिस के रसोइयों को तत्काल कार्य मुक्त न किए जाने, अनावश्यक रूप से रसोइयों को विद्यालय में अन्य कार्य न लेने , व रोके न जाने की भी मांग शामिल है।

प्रदर्शन को संत कबीर नगर के जग राम गौड़, फूल चंद्र, रीता सिंह, प्रभावती, पूनम, निर्मला, रोशनी, प्रभावती, कांजल सुभावती, कल्याणी,ममता, श्यामवती, निर्मला,रेखा सीता देवी ने संबोधित किया।

श्री अन्न मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम में शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बीआरसी हरैया के समागार में खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय आनन्द की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश श्री अन्न मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के तहत कृषि विभाग द्वारा 50 शिक्षकों को बुधवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। कृषि विभाग के सेवानिवृत्त विषय वस्तु विशेषज्ञ रामचंद्र चौधरी ने शिक्षकों को बिना रासायनिक उर्वरक के मोटे अनाज का उत्पादन, स्वास्थ्य की सुरक्षा के दृष्टिगत मोटे अनाज के लाभ आदि के बारे में विस्तृत ढंग से समझाया। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को सावा, कोदो, मडुआ, कुटकी, ज्वार, बाजरा, मक्का आदि विभिन्न प्रकार के मोटे अनाज के बारे में शिक्षकों को बताया गया। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य परिषदीय विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों के माध्यम से उनके अभिभावकों तक श्री अन्न के उपयोग, उसके पोषक तत्वों, मिलेटस के विभिन्न प्रकार आदि की जानकारी पहुंचाना है। प्रशिक्षण में श्री अन्न के बारे में गिरिजेश बहादुर सिंह, संदीप सिंह, उदय प्रताप सिंह, उमेश सिंह, सुनील बौद्ध, रजनीश पाण्डेय, योगेश सिंह आदि ने बताया।

इस अवसर पर रवीश कुमार मिश्र, सर्वदेव सिंह, प्रमोद त्रिपाठी, आनन्द सिंह डेविड, राकेश सिंह, आदित्य सिंह, अखिलेश सिंह, मनोज द्विवेदी, गोपाल दूबे, निरुपमा तिवारी, एकता सिंह, शिल्पी गुप्ता, रूपम श्रीवास्तव, मीरा चौधरी, जया सिंह, सौम्या द्विवेदी, प्रतिज्ञा, सरोज, बृजेंद्र पाण्डेय, अरुणेंद्र सिंह, सतीश यादव, सुधीर सिंह, अमर चंद, हरी सिंह, प्रदीप गुप्ता, वीरेंद्र कुमार, राम रक्षा, विवेक, अर्जुन, गुलाम अशरफ, प्रदीप गुप्ता, विश्वजीत, विजय, भागीरथी, रामभवन, दिनेश आदि उपस्थित रहे।

देवी पाण्डालों में उमड़ी आस्था, माताओं, बहनों ने किया विशेष आराधनाः विसर्जन गुरूवार को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मां दुर्गा पाण्डालों में आस्था उमड़ पड़ी है। बुधवार को अनेक स्थानों पर भण्डारे के साथ ही देवी जागरण का आयोजन किया। बुधवार को माताओं ने विधि विधान से माता जी का कोईछा पूजन कर आशीर्वाद लिया। विसर्जन 17 अक्टूबर गुरुवार को होगा। अमहट घाट पर नगर पालिका और जिला प्रशासन की ओर से प्रकाश, सुरक्षा आदि के विशेष प्रबन्ध किये गये हैं।

शहर में दुर्गा पूजा उत्सव की गूंज सूरज ढलते ही सुनाई देने लगती थी लेकिन गुरुवार से यह सिलसिला थम जायेगा। शाम से ही देर रात तक शहर में रेला उमड़ रहा है। पूजा–पंडालों में देर रात तक श्रद्धालु दर्शन–पूजन के लिए जमे हैं। इससे माहौल उत्सव मरा

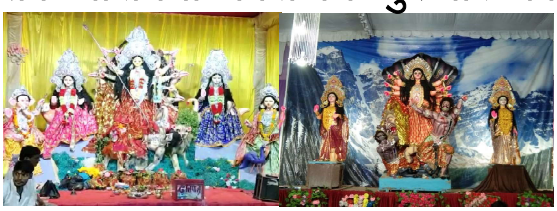

है। दशहरा के बाद पूर्णिमा तक चलने वाले शहरी मेला का लुफ्त हर कोई उठाना चाहता है। महिलाएं, बच्चे, पुरुष, युवा–युवतियां बड़ी तादाद में शहर में पैदल भ्रमण कर हर पंडाल तक पहुंच रहे और दर्शन मां के विभिन्न रूपों का कर निहाल हो रहे। शाम ढलने के बाद से नजारा बदल जा रहा है। मानो शहर में अध्यात्म की गंगा बह रही है। इसमें हर कोई सराबोर हो रहा है। समूचा शहर श्रद्धालुओं से भरा हुआ है। बड़ेवन से लेकर कटरा, कंपनीबाग, गांधीनगर, पक्के, पुरानी बस्ती क्षेत्र में जगह–जगह सजे पूजा पंडाल में स्थापित मां दुर्गा को देखने के लिए लोग उमड़ रहे हैं। वहीं सड़क के किनारे फुटपाथ पर मिठाई, चाट खिलौने आदि की दुकानें खरीदारी हो रही है। बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले, मिक्की माउस व अन्य संसाधन हैं। देर रात तक श्रद्धालु शहर में जमे रहे। भक्ति गीतों की शोर से चहुंओर उल्लास है। भक्ति की गंगा में श्रद्धालु गोते लगा रहे। मेले के अंतिम दिन आस्था उमडी।

ग्राम अदालत चकबन्दी में दिया जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

नगर बाजार (बस्ती)। नगर पंचायत नगर बाजार में एक दिवसीय ग्राम अदालत चकबन्दी का आयोजन एसओसी संजय कुमार वाजपेयी की अध्यक्षता में किया गया।

कास्तकारों की जमीन से संबंधित कृषकों की स्थली पर ही ग्राम के कृषकों को तत्काल न्याय प्रदान करने के उद्देश्य से ग्राम के कृषकों को तत्काल न्याय प्रदान करने के उद्देश्य ग्राम न्यायालय (चकबंदी) का आयोजन हुआ।

विशेष ग्राम न्यायालय चकबंदी के अधिकारी (चकबंदी) एसओसी संजय कुमार वाजपेयी ने चाक–चौबंद अधिकारियों से संबंधित समस्याओं को मौके पर सुना और नोट भी किया और उनकी समस्या के बारे में बताया और गुणवत्तापरक सामुहिक चर्चा की बात कही। उन्होंने बताया कि अधिकाश मामले भूमि से संबंधित आए।

विशेष ग्राम अदालत मे अधिकारियों ने ग्रामीणों द्वारा उठाई गई चकबंदी से संबंधित समस्याओं को गंभीरता से सुना। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि इन समस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाएगा।

एसीओ नरेंद्र सिंह ने बताया कि कास्तकारों के जमीन से संबंधित समस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्वक निदान किया जाएगा।

चौपाल में कृषकों के समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह, लेखपाल दिनेश कुमार यादव, ओम प्रकाश,सुरेंद्र सिंह के अलावा संजय,राजेश कुमार पाण्डेय, राम दुलारे गौड़, रमेश चौधरी, सतीश कुमार समेत तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 अक्टूबर 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

आस्था, हिंसा और तंत्र

जिस धर्म का मूल मंत्र लोगों में करूणा, सदभावना विकसित करने का है जब उसी को ढाल बनाकर हिंसा भड़काई जाने लगे तो इस समय को क्या नाम दें। बहराइच के दंगे और एक युवक की हत्या ने कानून व्यवस्था और पुलिस तंत्र की पोल एक बार फिर खोलकर रख दिया है। यदि देवी प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान बहराइच पुलिस प्रशासन सक्रिय होता तो दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को रोका जा सकता था। प्रशासन तो उस समय सक्रिय हुआ जब हालात बेकाबू होने लगे थे। अच्छा हो कि प्रदेश की योगी सरकार इसे गंभीरता से ले जिससे भविष्य में फिर ऐसे घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने पाये।

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में भड़की हिंसा ने एक बार फिर कुछ सवाल गाढ़े कर दिए हैं। मूर्ति विसर्जन के लिए निकली शोभायात्रा पर पथराव और फिर उपद्रवी संघर्ष में गोली लगने से एक युवक की मौत के बाद वहां सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया है। हालांकि प्रशासन का दावा है कि उपद्रवी भीड़ पर काबू पा लिया और आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। मगर इस घटना से पूरे प्रदेश और देश के दूसरे हिस्सों में जो सांप्रदायिक विद्वेष की जड़ें थोड़ी और गहरे धंस गई हैं, उसे उखाड़ना इतना आसान नहीं होगा।

ऐसी हर घटना के बाद यह सवाल उठता है कि आखिर हमारा समाज धार्मिक रूप से इतना असहिष्णु कैसे और क्यों हो गया है। क्यों कुछ लोगों को हिंसा में आनंद मिलने लगा है। बहराइच की घटना न तो अकेली है और न नई। अब तो शायद ही कोई पर्व–त्योहार ऐसा गुजरता है, जो बिना हिंसा के संपन्न हो जाता हो।

यह विचित्र संयोग है कि अक्सर शोभायात्राओं पर पथराव की घटना हो जाती है। उन सबकी प्रकृति लगभग एक होती है। पहले तेज ध्वनि में संगीत बजाने पर एतराज जताया जाता है, फिर पत्थर फेंका जाता है और संघर्ष होता है। इसमें कोई न कोई मारा जाता और कुछ घायल हो जाते हैं। फिर प्रशासन सख्ती दिखाता है।

कायदे से धार्मिक आयोजनों, शोभायात्राओं के बारे में पुलिस को सूचित करना जरूरी होता है और आयोजन की रूपरेखा बतानी और उसके लिए अनुमति लेनी होती है। मगर कम ही आयोजक इस कायदे का पालन करते देखे जाते हैं। जो पालन करते भी हैं, वे अक्सर मनमानी करते पाए जाते हैं। हनुमान जयंती पर दिल्ली में निकली शोभायात्रा के दौरान या फिर हरियाणा के नूंह में कलशयात्रा के समय भड़की हिंसा के पीछे भी लगभग यही कारण बताए गए थे।

करीब साल भर पहले मध्यप्रदेश और राजस्थान के कुछ इलाकों में भी ऐसे ही उपद्रव देखे गए। मूर्ति विसर्जन, शोभायात्रा जैसे आयोजन लोगों की आस्था से जुड़े विषय हैं। दूसरी आस्था के लोगों से अपेक्षा की जाती है कि वे दूसरे धर्मों के लोगों की आस्था का भी सम्मान करें, मगर इसका अभाव लगातार बढ़ता देखा जा रहा है। फिर, सवाल यह भी है कि आस्था का यह अर्थ कबसे हो गया कि दूसरों की सुविधा–असुविधा का खयाल किए बगैर उसका प्रदर्शन किया जाए। बहराइच में अगर मामला तेज आवाज में संगीत बजाने से बिगड़ा, तो सवाल यह भी है कि वहां अगर धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर लगाने पर रोक है, तो फिर शोभायात्रा में इस बात का ध्यान रखना क्यों जरूरी नहीं समझा जाता।

इस हकीकत से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि पिछले कुछ वर्षों से जब आस्था का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिशें तेज हुई हैं, तबसे उपद्रव और हिंसक संघर्ष अधिक बढ़े हैं। जब खुद राजनेता और धार्मिक नेता सार्वजनिक मंचों से लोगों को धार्मिक आधार पर एकजुट होने और हिंसा करने को उकसाते देखे–सुने जाते हैं, तो आम लोगों पर उसका प्रभाव नकारा नहीं जा सकता। उत्तर प्रदेश सरकार कानून–व्यवस्था के मामले में सख्त रुख अपनाने का दावा करती है, मगर पूछा जा सकता है कि आखिर ऐसा क्यों है कि वहां जब–तब इस तरह का सांप्रदायिक तनाव उभर आता है। बेहतर कानून–व्यवस्था की कसौटी राज्य में आपराधिक घटनाओं पर नकेल कसने के अलावा, धार्मिक और सामाजिक सौहार्द बनाए रखना भी होती है।

आसियान में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका

—के.एस. तोमर—

आसियान की सफलता हेतु आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को गहरा करके भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। व्यापार और निवेश में सुधार, खासकर आसियान–भारत मुक्त व्यापार समझौते के जरिए, आर्थिक वृद्धि को समर्थन दे सकता है। भारत की डिजिटल और तकनीकी क्षमता, विशेषकर आईटी और फिनटेक में, आसियान की डिजिटल अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचे के विकास में मदद कर सकती है, जिससे एकीकृत क्षेत्रीय बाजार का निर्माण हो सके।

हालिया आसियान शिखर सम्मेलन म्यांमार संकट पर कोई ठोस प्रगति करने में विफल रहा, जिसका मुख्य कारण आंतरिक विभाजन और ब्लॉक की गैर–हस्तक्षेप नीति रही। नेताओं ने म्यांमार के जारी गृहयुद्ध और मानवाधिकार उल्लंघनों पर चर्चा की, लेकिन कोई ठोस कदम या प्रतिबंध तय नहीं हो सका। शांति बहाली के लिए आसियान की पांच–सूत्री सहमति अब तक लागू नहीं हो पाई है, और म्यांमार की सैन्य सरकार का सहयोग न के बराबर है। थाइलैंड और कंबोडिया जैसे देशों द्वारा जुंटा से संपर्क ने आसियान की प्रतिक्रिया को कमजोर किया। सुरक्षा के लिहाज से, आसियान–नेतृत्व वाले मंचों में भारत की भागीदारी और समुद्री सहयोग, हिंद–प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करते हैं। भारत के रक्षा संबंध, संयुक्त सैन्य अभ्यास और रणनीतिक साझेदारी, क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करते हैं।

जलवायु परिवर्तन में, भारत अपने नवीकरणीय ऊर्जा के अनुभव को साझा कर आसियान की हरित संरक्षण में मदद कर सकता है। भारत–म्यांमार–थाइलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग जैसे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से, आसियान के साथ कनेक्टिविटी बढ़ाकर भारत व्यापार गतिशीलता को प्रोत्साहित कर सकता है। भारत का संतुलित भू–राजनीतिक दृष्टिकोण, आसियान को क्षेत्र में अपनी केंद्रीयता बनाए रखने में मदद करता है, जिससे एक बहुध्रुवीय, स्थिर दक्षिण–पूर्व एशिया की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। हाल में प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मानवीय सहायता और आपदा राहत प्रयासों में भारत की प्रतिबद्धता, आसियान के विकास और स्थिरता में उसकी सहायक भूमिका को और मजबूत करती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 20वें आसियान–भारत शिखर सम्मेलन में अपने दस–सूत्री संदेश में प्रमुख क्षेत्रों में आसियान के साथ साझेदारी पर बल दिया। उन्होंने हिंद–प्रशांत में शांति, सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत रणनीतिक साझेदारी की आवश्यकता पर बल दिया। समुद्री सहयोग, व्यापार, निवेश और आपूर्ति शृंखलाओं को बढ़ाने और डिजिटल परिवर्तन, साइबर सुरक्षा और एआई में सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बुनियादी ढांचा कनेक्टिविटी और सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी सहयोग पर भी जोर दिया।

दरअसल, अब आसियान कई चुनौतियों का सामना कर रहा है, जो उसकी प्रभावशीलता को कमजोर कर सकती हैं। 1967 में शांति, समृद्धि और क्षेत्रीय एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गठित आसियान ने अपने सदस्य देशों के बीच संवाद और सहयोग के लिए एक मंच तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि, कई आंतरिक और बाहरी मुद्दों ने इसकी सीमाओं को उजागर किया है।

आसियान के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक भू–राजनीतिक विभाजन है। सदस्य देशों की राजनीतिक प्राथमिकताएं और विदेशी नीति अभिविन्यास भिन्न हैं, विशेष रूप से अमेरिका और चीन जैसी बड़ी शक्तियों से निपटने में। जहां कंबोडिया और लाओस, आर्थिक निर्भरता के कारण चीन की ओर झुके हुए हैं, जबकि अन्य, जैसे वियतनाम और फिलीपींस, दक्षिण चीन सागर में चीन की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं को लेकर सतर्क हैं। बाहरी शक्तियों से संबंधों को प्रबंधित करने पर यह सहमति की कमी, आसियान की सुरक्षा और क्षेत्रीय विवादों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एकजुट मोर्चा पेश करने की क्षमता को कमजोर करती है। परिणामस्वरूप, दक्षिण चीन सागर संघर्ष अनसुलझा है।

एक और बड़ी चुनौती आसियान की संस्थागत कमजोरी है। संगठन की निर्णय लेने की प्रक्रिया, सर्वसम्मति पर आधारित होती है, जिससे अक्सर कार्रवाई में देरी होती है। घरेलू मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने के सिद्धांत ने म्यांमार और कंबोडिया जैसे अधिनायकवादी शासन को मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जवाबदेही से बचने की अनुमति दी है, जिससे वैश्विक मंच पर आसियान की साख को नुकसान पहुंचा है। म्यांमार संकट इसका एक उदाहरण है। म्यांमार पर आसियान की 'पांच–सूत्री सहमति' कोई ठोस परिणाम देने में विफल रही है। आने वाले दशकों में प्रासंगिक बने रहने के लिए, आसियान को अपने संस्थागत ढांचे में सुधार करने, आर्थिक व नियामक सामंजस्य को बढ़ाने, बाहरी संबंधों के प्रति अधिक सुसंगत दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता होगी।– लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।

युगों तक प्रासंगिक रहेंगे महर्षि वाल्मीकि

—डॉ. सौरभ मालवीय—

विगत एक दशक से देशभर में भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण का स्वर्णिम युग चल रहा है। उत्तर प्रदेश सहित देशभर में सांस्कृतिक, धार्मिक एवं सामाजिक कार्य तीव्र गति से चल रहे हैं। भारतीय संस्कृति का विश्वभर में प्रचार–प्रसार हो रहा है। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयासों से ही संभव हो रहा है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार राज्य में धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के प्रयासों ने वाल्मीकि जयंती व्यापक स्तर पर धूमधाम से मनाई जाने लगी है। अब यह एक बड़ा पर्व बन चुकी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाल्मीकि जयंती पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा था कि सामाजिक समानता और सद्भावना से जुड़े उनके अनमोल विचार आज भी भारतीय समाज को सिंचित कर रहे हैं। मानवता के अपने संदेशों के माध्यम से वे युगों–युगों तक हमारी सभ्यता और संस्कृति की अमूल्य धरोहर बने रहेंगे। महर्षि वाल्मीकि के विचार आज भी भारतीय समाज को प्रेरित करते हैं। महर्षि वाल्मीकि के आदर्श लाखों लोगों को प्रेरित करते हैं। महर्षि वाल्मीकि गरीब और दलितों के लिए आशा की किरण हैं। उनकी सरकार के कदम महर्षि वाल्मीकि के विचारों से प्रेरित हैं। भगवान राम के आदर्श आज भारत के कोने–कोने में एक–दूसरे को जोड़ रहे हैं, इसका बहुत बड़ा श्रेय महर्षि वाल्मीकि को ही जाता है।

महर्षि वाल्मीकि का भारतीय संस्कृति में जो स्थान है, वह किसी अन्य को प्राप्त नहीं है। उन्हें आदिकवि भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने रामायण नामक महाकाव्य की रचना की थी। यह संस्कृत का प्रथम महाकाव्य है।

धार्मिक पवित्र ग्रंथ रामायण की रचना करके वे घर–घर में विराजमान हो गए। उन्होंने रामायण की संस्कृत में रचना की थी। इसे वाल्मीकि रामायण भी कहा जाता है। यह मौलिक ग्रंथ है। इसके पश्चात अनेक भाषाओं में रामायण लिखी गई, परंतु सबका आधार यही संस्कृत की वाल्मीकि रामायण ही थी। वाल्मीकि रामायण का अनेक भाषाओं में अनुवाद भी हो चुका है।

महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से भगवान विष्णु के अवतार श्रीराम का जीवन दर्शन जनसाधारण तक पहुंचाने का कार्य किया। मान्यता है कि रामायण लिखने की प्रेरणा उन्हें एक पक्षी से प्राप्त हुई थी। एक समय की बात है कि वाल्मीकि ने एक वृक्ष की शाखा पर बैठे क्रौंच पक्षी के एक युगल को देखा। वह युगल प्रेमालाप में लीन था। वाल्मीकि उस युगल को एकटक निहार रहे थे, तभी नर पक्षी को बहेलिये का एक तीर आकर लगा और वह वहीं मृत्यु को प्राप्त हो गया। अपने साथी की मृत्यु पर मादा पक्षी वेदना से तड़प उठी और विलाप करने लगी। उसके वेदनापूर्ण विलाप को सुनकर वाल्मीकि को अत्यंत दुख हुआ। वे उसकी पीड़ा से द्रवित हो उठे। इसी अवस्था में उनके मुख से स्वतः ही एक श्लोक निकला–

मा निषाद प्रतिष्ठां त्वंगमः शाश्वतीः समाः।
यत्क्रौंचमिथुनादेकं वधीः काममोहितम।।

अर्थात हे दुष्ट, तुमने प्रेम में लीन क्रौंच पक्षी को मारा है। जा तुझे कभी भी प्रतिष्ठा की प्राप्ति नहीं होगी तथा तुझे भी वियोग झेलना पड़ेगा।

मान्यता यह भी है कि वाल्मीकि आदिकवि होने के साथ–साथ खगोल एवं ज्योतिष विद्या के भी ज्ञाता थे। इसका आधार यह है कि उन्होंने अनेक घटनाओं के समय सूर्य, चंद्र व अन्य नक्षत्र की स्थितियों का वर्णन किया है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जिसे इन विद्याओं का ज्ञान हो।

महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति के पुरोधा भी हैं। उन्होंने रामायण के माध्यम से श्रीराम के महान चरित्र से लोगों को अवगत करवाया है। उनके कारण ही अनंतकाल तक जनसाधारण श्रीराम से जुड़ा रहेगा। रामायण से ही हमें श्रीराम को जानने का अवसर प्राप्त हुआ है। वे एक आदर्श पुत्र थे। उन्होंने अपने पिता राजा दशरथ के वचन का पालन करने के लिए अपना सबकुछ त्याग दिया। उन्होंने राजा दशरथ द्वारा अपनी पत्नी कैकेयी को दिए वचन को पूर्ण करने के लिए अपना राज सिंहासन त्याग कर चौदह वर्ष का वनवास प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार कर लिया। उन्होंने माता कैकेयी की प्रसन्नता के लिए वनवास स्वीकार किया। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि उनके लिए पिता के वचन एवं माता की प्रसन्नता से अधिक कुछ भी महत्व नहीं रखता। उन्होंने वैभवशाली एवं ऐश्वर्य का जीवन त्याग दिया तथा वन में रहना उचित समझा। उन्होंने अपने पिता की मनोव्यथा एवं उनकी विवशता को हृदय से अनुभव किया। वे बिना किसी अनर्द्वन्द्व के वनवास के लिए चले गए। यह कोई सरल कार्य नहीं था, परंतु उन्होंने ऐसा कठोर निर्णय लिया। कुछ समय पूर्व ही उनका विवाह हुआ था। उन्हें अपनी पत्नी के साथ सुखमय दाम्पत्य जीवन का प्रारंभ करना था। श्रीराम के साथ–साथ उनकी पत्नी ने भी त्याग किया। जो सीता राजभवन में पली थीं। उन्होंने भी राजभवन का सुख त्याग कर पति के साथ वन में जाना चुना। इसी प्रकार श्रीराम के छोटे भ्राता लक्ष्मण ने भी अपने भाई और भाभी की सेवा के लिए वन में जाने का निर्णय लिया। वनवास तो केवल श्रीराम के लिए था, परंतु सीता और लक्ष्मण ने भी वनवास का स्वेच्छा से चयन करके यह सिद्ध कर दिया की उनके लिए श्रीराम से बढ़कर कुछ भी नहीं है। भरत ने भी हाथ में आया राजपाट त्याग दिया तथा अपनी माता कैकेयी से स्पष्ट रूप से कह दिया कीस राज सिंहासन पर केवल श्रीराम का ही अधिकार है। इसलिए वे इसे स्वीकार नहीं कर सकते। वास्तव में रामायण एक ऐसी कथा है, जो परिवार एवं समाज में आदर्श स्थापित करती है।

किंवदंती है कि श्रीराम ने अपनी पत्नी सीता का त्याग कर दिया था। इस प्रकार माता सीता को पुनः वन में आना पड़ा। उस समय महर्षि वाल्मीकि ने माता सीता को अपने आश्रम में शरण दी थी। माता सीता अपना परिचय सबको नहीं देना चाहती थीं, इसलिए महर्षि ने उन्हें वन देवी का नाम दिया था। यहीं पर लव और कुश का जन्म हुआ था। यहीं लव और कुश ने अश्वमेघ को पकड़ा था और यहीं उनकी अपने पिता श्रीराम से भेंट हुई थी। महर्षि वाल्मीकि ने भारतीय जनमानस में राम के मर्यादित जीवन और सामाजिक जीवन को स्थापित किया।

लेखक – सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अध्येता है।

मोबाइल– 8750820740

बीएसएनएल के संकट का जिम्मेदार कौन.?

—निर्मल रानी—

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) भारत सरकार के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) का एक प्रमुख एवं लोकप्रिय उपक्रम है। बीएसएनएल का स्वामित्व दूरसंचार विभाग के पास है और दूरसंचार विभाग संचार मंत्रालय का एक हिस्सा है। भारत सरकार ही बीएसएनएल की 100: शेयर पूंजी का मालिक भी है। इस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में संचार मंत्रालय का कामकाज अश्विनी वैष्णव देख रहे हैं जोकि भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री हैं। हालाँकि भारतीय संचार क्षेत्र में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल तथा वोडाफोन आइडिया जैसे और भी कई छोटी व क्षेत्रीय निजी कम्पनीज सक्रिय हैं परन्तु इन सबसे प्रतिस्पर्धा होने के बावजूद आज भी बीएसएनएल को देश में सबसे अधिक उपभोक्ता रखने का गौरव हासिल है। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई 2024 तक बीएसएनएल के पास देश में लगभग 88.512 मिलियन मोबाइल फोन के ग्राहक थे। इसका मुख्य कारण यह भी था कि देश की प्रमुख टेलीकॉम कंपनियों ने जून 24 में ही अपने अपने मोबाइल टैरिफ बढ़ा दिये थे। इनमें रिलायंस जियो ने जहां 27 जून को अपने टैरिफ में 12 से 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी वहीं भारती एयरटेल ने 8 जून को अपना टैरिफ 11 से 21 प्रतिशत तक बढ़ा दिया था। इसी तरह वोडाफोन आइडिया ने भी 29 जून,24 को अपना टैरिफ 10 से 24 प्रतिशत तक बढ़ा दिया। इसी बढ़ोतरी के फौरन बाद ही बीएसएनएल में 2.93 मिलियन ग्राहकों की वृद्धि हुई । जबकि निजी दूरसंचार कंपनियों को अपने करोड़ों ग्राहकों से हाथ धोना पड़ा। उस समय बीएसएनएल ने पहली बार ग्राहकों की इतनी वृद्धि दर्ज की थी। जून– जुलाई 24 में बीएसएनएल ने लगभग 2.9 मिलियन उपयोगकर्ता अपने साथ जोड़े।

बीएसएनएल को ऐसा ही एक अवसर उस समय भी हाथ लगा था जबकि 2020–2021 में हुये किसान आंदोलन के समय पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश के किसानों द्वारा 2020 में भारतीय संसद द्वारा पारित तीन कृषि अधिनियमों के विरुद्ध आंदोलन चलाया जा रहा था। उस समय किसान, अंबानी – अडानी द्वारा संचालित उद्यमों व उपक्रमों का भी विरोध कर रहे थे। किसानों का कहना था कि मोदी सरकार अंबानी – अडानी जैसे निजी उद्योगपतियों को फायदा पहुँचाने के लिये ही तीन कृषि अधिनियम लाई है। इसलिये किसानों द्वारा पंजाब,हरियाणा में रिलायंस जियो का भी बड़े पैमाने पर विरोध यहां तक कि बहिष्कार किया जा रहा था। रिलायंस जियो के तो कई मोबाईल टावर्स में भी उस समय तोड़ फोड़ की खबरें आई थीं। बहरहाल जिन उपभोक्ताओं को लुभाने के लिए निजी कम्पनीज सैकड़ों हजारों करोड़ रूपये विज्ञापन या प्रलोभन में खर्च करती हैं वही उपभोक्ता बिना किसी प्रयास के बीएसएनएल को स्वयं ही मिल रहे थे इससे बड़ी लोकप्रियता की बात बीएसएनएल के लिये और क्या हो सकती है ?

परन्तु चिंता का विषय है कि देश का सबसे बड़ा संचार नेटवर्क होने के बावजूद नेटवर्क और स्पीड दोनों ही मामलों में बीएसएनएल अपने में सुधार नहीं कर पा रहा है। उत्तर प्रदेश,उत्तरांचल व हरियाणा यहाँ तक कि चंडीगढ़ में तो इसकी गति नाममात्र है। सवाल यह है कि देश का सबसे बड़ा व सबसे साधन संपन्न नेटवर्क व सबसे अधिक टावर्स रखने के बावजूद आखिर क्या वजह है कि गांव में तो दूर शहरों तक में इसके पूरे मोबाईल सिग्नल नहीं आ पाते ? आज के युग में जबकि 5 –10 रुपये से लेकर लाखों रूपये तक की लेनदेन मोबाईल गूगल या पे फोन जैसे माध्यमों से की जा रही हो,ऐसे में अन्य निजी कम्पनीज की ही तरह बीएसएनएल का भी राष्ट्रव्यापी नेटवर्क तीव्र गति के साथ उपलब्ध होना बेहद जरूरी है। परन्तु एक तरफ तो देशभक्ति का जज़्बा रखने वाले ग्राहकों का बीएसएनएल की ओर आकर्षित होना और दूसरी तरफ बीएसएनएल द्वारा अपने ग्राहकों की जरूरतों और नेटवर्क व स्पीड की कमी के चलते उन्हें होने वाली परेशानियों की अनदेखी करना या इसका तत्काल समाधान न करना बीएसएनएल के ग्राहकों के मन में संदेह जरूर पैदा करता है।

दरअसल पिछले एक दशक से ऐसी तमाम खबरें आ रही हैं जिनसे यह पता चलता है कि सरकारें उद्योगपतियों व कॉर्पोरेट घरानों की हितैषी के रूप में काम कर रही हैं। जिसतरह विद्युत,रेल, बंदरगाह, इन्शुरन्स, बैंकिंग, तेल,गैस, कोयला, सैन्य सामग्री,विमानन व संचार जैसे अनेक क्षेत्रों में सरकारों की सरपरस्ती में उद्योगपतियों व कॉर्पोरेट घरानों का दखल बढ़ा है और देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी इन उद्योगपतियों के लिये व्यवसायिक आधार तैयार कर कई देशों में इन्हें माइनिंग,बिजली व निर्माण आदि के ठेके दिलवाये गये हैं उन्हें देखकर यह संदेह होना भी स्वभाविक है कि कहीं बीएसएनएल को बदनाम करने व इसे कमजोर करने के लिये ही तो यह षड़यंत्र किसी बड़ी व सत्ता संरक्षित साजिश के तहत तो नहीं किया जा रहा ? यदि बीएसएनएल ईमानदारी से चाहे तो कम से कम समय में अपने उपभोक्ताओं को हो रही इन परेशानियों से निजात दिला सकता है। और यदि बीएसएनएल की ओर से पूरे देश के हर कोने तक अपना नेटवर्क व पूरा सिग्नल पहुंचा दिया जाये और उसकी गति में सुधार कर दिया जाये तो निश्चित रूप से निजी कम्पनीज की तरफ से अभी और भी करोड़ों उपभोक्ता अपना मुंह फेर लेंगे। परन्तु सत्ता में बैठे उद्योगपतियों के वे शुभचिंतक जो वास्तव में सरकार में उद्योगपतियों व कॉर्पोरेट घरानों के हितों के न केवल पैरोकार हैं बल्कि सच पूछिए तो उन्हीं के सीधे प्रतिनिधि के रूप में सत्ता में अहम पदों पर बैठे हुये हैं। ऐसे लोगों के सत्ता के शीर्ष पदों पर रहते क्या बीएसएनएल, प्रमुख निजी टेलीकॉम कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा कर सकेगा ? बीएसएनएल मोबाइल के मौजूदा नेटवर्क तथा उसकी मंद गति को देखकर इस बात पर संदेह होना स्वाभाविक है। और यदि बी एस एन एल में ही सर्वोच्च पदों पर बैठे अधिकारियों की साजिश के चलते और उनकी उद्योगपतियों व कॉर्पोरेट घरानों से मिली भगत के परिणाम स्वरूप इस पीएसयू की इतनी दयनीय हालत हो रही है तो ऐसे श्विभीषणों श का भी बेनकाब होना बेहद जरूरी है। न केवल सरकार बल्कि स्वयं बीएसएनएल कर्मियों को भी इस बात पर नजर रखनी होगी कि भारत सरकार का यह लोकप्रिय केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम बी एस एन एल किन कारणों से अपने उपभोक्ताओं को समुचित सेवायें नहीं दे पा रहा है ? बी एस एन एल, कहीं भीतरघात का शिकार तो नहीं ?

बहराइच हिंसा: एसएचओ और चौकी प्रभारी के बाद अब सीओ भी सस्पेंड

संवाददाता–बहराइच। महराजगंज हिंसा मामले में बुधवार को महसी सीओ रुपेंद्र गौंड को भी निलंबित कर दिया गया है। इन पर मूर्ति विसर्जन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही का आरोप लगा है। जांच रिपोर्ट के आधार पर शासन ने यह कार्रवाई की है। महराजगंज इलाके में हुई हिंसा मामले में एक और एक्शन हुआ है। एसएचओ और चौकी प्रभारी के बाद बुधवार को महसी सीओ रुपेंद्र गौंड को भी सस्पेंड कर दिया गया है। इन पर मूर्ति विसर्जन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही का आरोप लगा है। जांच रिपोर्ट के आधार पर शासन ने यह कार्रवाई की है। रामपुर में तैनात सीओ रवि खोकर को महसी की कमान सौंपी गई है, जो ड्यूटी संभाल चुके हैं। हिंसा मामले में सीओ सहित अब तक तीन पुलिस कर्मी सस्पेंड हो चुके हैं। हरदी थाना क्षेत्र की 18 मुर्तियों को बड़ी गौरिया घाट में विसर्जित किया जाना था। यह सभी मूर्तियां महराजगंज कस्बे से होकर जा रही थी। मूर्ति विसर्जन जुलूस को सकुशल घाट तक पहुंचाने की जिम्मेदारी महसी सीओ रुपेंद्र गौंड को सौंपी गई थी। सुरक्षा के मद्देनजर एक कंपनी पीएसी भी दी गई थी, लेकिन जिस समय रामगोपाल को गोली मारी गई और उसके बाद भड़की हिंसा के समय तक सीओ मौके पर मौजूद नहीं थे, जबकि एसएचओ सुरेश कुमार वर्मा व चौकी प्रभारी भी उपद्रव रोकने में नाकाम रहे। जिससे हिंसा की भड़की आग ने रौद्र रूप लिया।

लापरवाही मामले में 13 अक्टूबर को देर रात ही एसपी वृंदा शुक्ला ने लापरवाही बरतने पर एसएचओ व चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया था। सीओ रुपेंद्र गौंड की रिपोर्ट शासन को भेजी गई थी। कड़ा संज्ञान लेते हुए सीओ को भी निलंबित कर दिया गया है। इस तरह हरदी थाना क्षेत्र व सर्किल के तीन पुलिस कर्मी हिंसा में निलंबित हो चुके हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि जिस दिन मूर्ति विसर्जन होना था, उस दिन रविवार को सीओ को झिंगहाघाट पर सुरक्षा की कमान सौंपी गई थी, जिससे वह घटना के समय महराजगंज कस्बे में नहीं थे। घटना के बाद उच्चाधिकारियों के समक्ष उनका नाम आगे करने पर वह सख्त आपत्ति जताई थी। लिहाजा उन पर कार्रवाई कर दी गई है।

मार्निंग वॉक पर निकले 3 दोस्तों को स्कार्पियों ने रौंदा, तीनों की दर्दनाक मौत

संवाददाता–कुशीनगर। कसया थाना क्षेत्र में फोरलेन पर मार्निंग वॉक कर रहे तीन युवकों को एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने रौंद दिया। इनमें दो युवकों की मौत मौके पर ही हो गई जबकि तीसरे युवक ने इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। तीनों आपस में दोस्त थे। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कसया थाना क्षेत्र में फोरलेन के किनारे स्थित पकवा इनार डुमरी निवासी अमन भारती (उम्र 19 वर्ष) पुत्र सीताराम, पिपरी निवासी अंशु गुप्ता (उम्र 19 वर्ष) पुत्र मुन्नर गुप्ता और पकवा इनार डुमरी निवासी साहिल पटेल (उम्र 18 वर्ष) पुत्र विनोद पटेल बुधवार को सुबह फोरलेन की सर्विस लेन पर टहलने निकले थे। पकवा इनार चौराहे के पास बिहार की ओर से गोरखपुर जा रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने पीछे से तीनों को ठोकर मार दी। तीनों युवक सड़क पर गिर कर अचेत हो गए। स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे तब तक स्कॉर्पियो छोड़ कर उसमें सवार सभी लोग फरार हो गए। ग्रामीणों ने तीनों युवकों को गंभीर हालत में सीएचसी कसया पहुंचाया, जहां देखते ही डॉक्टरों ने अमन और अंशु को मृत घोषित कर दिया। साहिल की भी हालत गंभीर थी। परिजन उसे आनन–फानन में लेकर गोरखपुर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। वहां इलाज के दौरान साहिल की भी मौत हो गई।

बिना भेदभाव के हर बहन-बेटी को सामाजिक सुरक्षा मिले -एकता सिंह

संवाददाता–श्रावस्ती। राज्य महिला आयोग की सदस्य एकता सिंह एवं अंजू प्रजापति ने बुधवार को भिनगा पहुंच कर महिलाओं की शिकायतें सुनीं। इसके साथ ही शिकायतों के निस्तारण का निर्देश अधिकारियों को दिया। इस दौरान 27 शिकायतें मिलीं। राज्य महिला आयोग सदस्यों ने विकास भवन सभागार में महिला उत्पीड़न से पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को सुना। इस दौरान कुल 27 शिकायती प्रार्थना मिले। जिनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। राज्य महिला आयोग सदस्य एकता सिंह ने कहा कि पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित न्याय देने के लिए मिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है। सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों का दायित्व है कि महिलाओं एवं बालिकाओं छोटी–बड़ी शिकायतों को गम्भीरता से लें और त्वरित कार्रवाई करें। वहीं अंजू प्रजापति ने कहा कि बहन बेटियों के मान सम्मान को बनाये रखने के लिए और उनकी सुरक्षा के लिए टोलफ्री नंबर 1090, 181 चलाया जा रहा है।

370 की लकीर कोई मिटा नहीं सकता–बृजभूषण शरण सिंह

संवाददाता–गोण्डा। भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा है कि 370 पत्थर की ऐसी लकीर है जिसे कोई मिटा नहीं सकता है। जो लोग 370 वापस लाने का वादा कर रहे हैं वो कश्मीर की जनता से धोखा कर रहे हैं। किसी में इतना दम नहीं है कि वो 370 वापस ला सके। वहीं, यूपी में उपचुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि कुछ सीटें भाजपा के पास हैं तो कुछ सीटें विपक्ष के पास हैं लेकिन माहौल भाजपा के पक्ष में है। हरियाणा में नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें ही मुख्यमंत्री बनना चाहिए। हरियाणा की जनता ने उन्हें देखकर ही वोट किया है।

बहराइच में हुई हिंसा पर उन्होंने कहा कि मैं तो दोनों पक्षों के लोगों से यही कहूंगा कि हिंदू और मुसलमान दोनों को यहीं पर एक साथ रहना है। दोनों को मिलजुलकर यहीं रहना चाहिए। गलती अगर किसी ने की है तो उसको प्रशासन देखेगा। दोनों वर्गों को शांति बनाए रखनी चाहिए।

13 वर्षों से बंद सहकारी समिति पनेवा पनेई का जिपंअ ने फीता काटकर किया शुभारम्भ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

महराजगंज ।विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर पनेवा पनेई समिति पर कृषक गोष्ठी सह समिति के उर्वरक व्यवसाय का शुभारंभ किया गया ।कार्यक्रम के अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र पटेल ने किया जबकि मुख्य अतिथि के रुप मे जिला पंचायत अध्यक्ष रवि कांत पटेल उपस्थित रहे ।कार्यक्रम में एडीसीओ महराजगंज सदर दिनेश पासवान एडीओ सहकारिता मिठौरा आशीष सिंह ,राजेंद्र पटेल,सुधाकर पटेल, अशोक पटेल मंडल अध्यक्ष चौक ,कृष्ण बिहारी कल श्रीवास्तव कुंजरमन पटेल ,अनिल कुमार गुप्ता और समिति के संचालक मंडल के सदस्य उपस्थित रहे ।

कार्यक्रम मे जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल ने समिति भवन के उर्वरक गोदाम का फीता काटकर वितरण कार्य शुरु किया। तथा कृषकों को समिति के द्वारा किए गए इस कार्य और सरकार की सहकारिता और कृषकों के हित किए जा रहे कार्यों के बारे मैं बताया। इफको क्षेत्रीय प्रबंधक राजेश मौर्य ने विश्व खाद दिवस के अवसर पर आज के दिन के महत्व को सांझा करते हुए कहा कि आज पूरा विश्व इस मुख्य विषय ,बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए भोजन के अधिकार पर चर्चा की गई। इस दिन का मुख्य उद्देश्य भोजन और बेहतर भोजन की जरूरत को समझाया गया । आज दुनिया को भोजन के महत्व बताने ,खाद्य सुरक्षा ,और भूख से संबंधित विषयों पर जागरूकता लाने के लिए हर वर्ष 16 अक्टूबर को विश्व खाद दिवस मनाया जाता है।खाना हमारे जीवन का अहम हिस्सा है लेकिन आज वैश्विक स्तर पर सैकड़ों लोग भूख के शिकार और दो जून के रोटी के लिए संघर्ष रत है ।। बेहतर भविष्य के लिए भोजन को बर्बाद होने से बचना चाहिए ,तथा संतुलित पोषक तत्वों से पूर्ण भोजन का सेवन से स्वस्थ सही रहे और स्वस्थ शरीर और मन से नई ऊर्जा का संचार होगा और और अपने कार्य क्षेत्र मैं ,परिवार एवं समाज मैं सही दिशा मैं कार्य करने मैं सहायता मिलती है । भारत में प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना और अंत्योदय योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों को भोजन हेतु अनाज उपलब्ध कराया जाता है जो प्रधानमंत्री जी का गरीबों परिवार के लिए बेहतर कार्य है।। कृषि की महत्व ,फसल उत्पादन और संतुलित पोषक भोजन हेतु ,फसल पर संतुलित पोषक तत्वों की पूर्ति किया जाना चाहिए। और कृषकों खेती मैं रासायनिक उर्वरक के उपयोग को कम कर जैविक खेती मैं ,जैव उर्वरक ,सागरिका और नैनो उर्वरक का उपयोग को बढ़ावा दे ,जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ,जल और भूमि की उत्पादन शक्ति बढ़ती है तथा फसल में गुणवत्ता भी बढ़ती है। कृषकों को दाने दार उर्वरक का उपयोग को कम करना चाहिए।। एडीसीओ सदर ने सहकारिता विकास हेतु सरकार द्वारा समिति पर किए जा रहे कार्य ,उर्वरक बीज की उपलब्धता ,तहत जन औषधि केंद्र ,गैस वितरण तथा बहुउद्देशीय कार्य के बारे मैं बताया । एडीओ मिठौरा आशीष सिंह ने कृषकों को भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने हेतु ,मिट्टी की जांच कर संतुलित उर्वरक प्रयोग ,तथा जैविक खाद दचा कंसोटिया 500 उस ां बीज शोधन करके खेती करे ,तो कृषक 50 : कम डीएपी खाद डालकर भी अच्छा फसल उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है । कार्यक्रम को अशोक पटेल मंडल अध्यक्ष ने कृषकों को वैज्ञानिक और नई तकनीक से खेती करने की सलाह दी ,कृष्ण बिहारी लाल श्रीवास्तव ने सभी कृषकों को सहकारी समिति के सदस्य बनाने तथा सदस्य किसानों को प्राथमिकता के आधार पर उर्वरक वितरण कर सक्रिय सहभागिता निभाने की बात कही।। समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र पटेल ने समिति पर पर्याप्त उर्वरक की उपलब्धता बनाए रखने तथा समिति के द्वारा किए जा रहे कार्यों को और आगे बढ़ाने की बात कही ,कार्यक्रम का संचालन क्षत्रिय प्रबंधक इफको राजेश मौर्य ने किया ,तथा धन्यवाद ज्ञापन समिति के सचिव अजय मिश्रा ने किया ।।

नगर पंचायत कर्मी ने दिव्यांग को पीटा, वीडियो वायरल होने के बाद मुकदमा दर्ज

संवाददाता–महराजगंज। चौक नगर पंचायत एक दिव्यांग युवक को पीटे जाने का मामला सुर्खियों में बना है। इस मामले का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। मामले में केस दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। हालांकि 'हिन्दुस्तान इस वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। चौक नगर पंचायत के धर्मपुर वार्ड में एक दिव्यांग युवक ने नगर पंचायत की गाड़ी से ठोकर लगने के बाद कर्मचारी पर पत्थर फेंक दिया था। इससे नाराज कर्मचारी दिव्यांग को गाड़ी में उठाकर दूसरे वार्ड के चौराहे पर ले गया। वहां उसकी डंडे से पिटाई की। पुलिस ने बुधवार की सुबह मारपीट, धमकी देने व गाली गलौज करने का मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित कोइल ने पुलिस को दिए तहरीर में आरोप लगाया है कि मंगलवार को शाम चार बजे वह अपने गांव में टहल रहा था। तभी नगर पंचायत की कूड़ा एकत्र करने वाली गाड़ी लेकर ड्राइवर त्रियुगी विश्वकर्मा आया और उसे गाड़ी से ठोकर मार दिया। वह दिव्यांग युवक जमीन गिर गया और इसी बात को लेकर उसकी गाड़ी पर छोटा सा पत्थर का टुकड़ा फेंका। इस बात को लेकर आरोपित ने उसे अपनी गाड़ी में बैठा लिया और बरगदही बसंतनाथ ले जाकर उसे गाड़ी से नीचे उतार कर बीच चौराहे पर डंडे से पीटने लगा। इसका वीडियो बनाकर किसी ने सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया था। इस संबंध थानाध्यक्ष शैलेंद्र शुक्ल ने बताया कि मामले में पीड़ित दिव्यांग की तहरीर और वायरल वीडियो के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। अनुज कुमार सिंह, सीओ–निचलौल ने कहा कि वीडियो वायरल होने के बाद उसकी जांच कराई गई। मामला चौक नगर पंचायत का निकला। इस मामले में पीड़ित की तहरीर पर केस दर्ज कर कार्रवाई हो रही है।

पिकअप की टक्कर में बाइक सवार पत्नी की मौत, पति गंभीर

संवाददाता–श्रावस्ती। पत्नी को विदा कराकर अपने घर गुड़नी भलुहिया साईं पुरवा लौट रहे बाइक सवार को माजरे स्थित मस्जिद के निकट सामने से आ रही पिकअप ने टक्कर मार दिया। इसके बाद पिकअप भी अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना में गंभीर रूप से घायल दंपती को गिलौला पुलिस ने सीएचसी पहुंचाया। जहां से दोनों को जिला अस्पताल बहराइच रेफर किया गया था। वहां इलाज के दौरान पत्नी की मौत हो गई। जबकि पति की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बहराइच के थाना विशेश्वरगंज क्षेत्र के ग्राम गुड़नी भलुहिया साईं पुरवा निवासी प्रमोद कुमार गौतम (22) का विवाह एक वर्ष पूर्व थाना कोतवाली देहात बहराइच के चिलवरिया चौकी अंतर्गत चोरवा बगिया निवासी शोभाराम की पुत्री जल वर्षा (20) के साथ हुआ था। जो मौजूदा समय में अपने मायके में थीं। करवा चौथ का पर्व मनाने के लिए मंगलवार देर शाम वह पति के साथ बाइक से अपनी ससुराल जा

रही थी। इस दौरान उसने करवा का सामान भी ले रखा था। जैसे ही प्रमोद बाइक लेकर बौद्ध परिपथ स्थिति गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम माजरे स्थित मस्जिद के निकट पहुंचा। तभी इकौना की ओर से आ रही तेज रफ्तार पिकअप से बाइक की आमने सामने भिड़ंत हो गई।

इस दौरान बाइक सवार को बचाने के प्रयास में पिकअप अनियंत्रित हो मार्ग किनारे खड्ड में पलट गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची गिलौला पुलिस ने गंभीर रूप से घायल दंपती को बेहोशी की हालत में सीएचसी गिलौला पहुंचाया। जहां से हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद दंपत्ति को जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान जल वर्षा की मौत हो गई जबकि प्रमोद की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना के बाद चालक वाहन छोड़ कर फरार हो गया जिसे पुलिस अपने साथ थाने ले गई है। इस बारे में प्रभारी निरीक्षक गिलौला महिमा नाथ उपाध्याय का कहना है कि बहराइच पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। यदि परिजन तहरीर देते हैं तो मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

अपनी मांग पर अड़े अधिवक्ताओं ने घेरा एसडीएम का आवास

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा तहसील में आंदोलित अधिवक्ताओं का आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। रेवेन्यू बार एसोसिएशन के निर्णय के बाद कलम बंद हड़ताल व धरना प्रदर्शन आठवें दिन बुधवार को भी जारी रहा। तहसील पहुंचे अधिवक्ता धरना प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी करने लगे। इसी बीच एसडीएम अपने आवास से मीटिंग के लिए निकल ही रहे थे कि नारेबाजी करते हुए पहुंचे अधिवक्ताओं ने एसडीएम का घेराव कर दिया। तहसील के अधिवक्ताओं का आरोप है कि अधिवक्ता के पक्ष में पारित आदेश का अनुपालन में परित नामांतरण आदेश का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। हल्का लेखपाल द्वारा स्थानांतरण रिपोर्ट दाखिल करने में विलंब किया जा रहा है। चकबंदी न्यायालय का सुचारू रूप से संचालन नहीं किया जाना शामिल है। अधिवक्ता संघ अपनी मांगों पर अड़ा हुआ है।

अदालती नोटिस
(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद
मूल वाद सं. 550/2024
गया पाल
बनाम
वंशराज आदि
बनाम–1– वंशराज सिंह 2– श्याम नरायन 3– सदा प्रकाश सिंह पुत्रगण स्वर्गीय राजदेव सिंह 5– माधुरी सिंह पत्नी स्वर्गीय राजा राम सिंह 6– अजय विक्रम सिंह 7– अजीत सिंह 8– अभय सिंह पुत्रगण स्वर्गीय राजाराम सिंह 9– शिवम सिंह पुत्र स्वर्गीय रामनरायन सिंह उर्फ करिया सिंह समस्त निवासीगण ग्राम–सरायरासी परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद– अयोध्या
तारीख पेशी 18–10–2024
चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 10 के 18 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद
मूल वाद सं. 289/2022
बदीउज्जमा
बनाम
दयाराम आदि
बनाम–1– दयाराम पुत्र रामनाथ 2– सियाराम पुत्र रामकेवल 3– जगदीश पुत्र रामकेवल 4– संदीप कुमार पुत्र रामकेवल 5– मन्शाराम पुत्र श्रीराम 6– हनुमन्त पुत्र हरीराम 7–सुरेमना पत्नी परशुराम समस्त निवासीगण ग्राम– अमसिन पूरे दहलवा तहसील सदर जनपद– अयोध्या
तारीख पेशी 17–10–2024
चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 10 के 17 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय फैजाबाद
स.प्र. वाद सं0 48/2016
वृजेश गुप्ता
बनाम
भानुमती आदि
बनाम–1– भानुमती पत्नी राधेश्याम निवासी मकान नम्बर 8/10/69 नाका मुजफ्फरा पोस्ट– नाका परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद– अयोध्या 2– श्रीमती प्रियंवदा पत्नी लक्ष्मण मिश्रा निवासी निकट जयगणेश डिग्री कालेज देवकाली परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद– अयोध्या
तारीख पेशी 20–11–2024
चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 11 के 20 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूल वाद सं. 20/2024
अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) हवेली महोदय फैजाबाद
श्याम कुमारी
बनाम
सावित्री देवी आदि
बनाम–1–सावित्री देवी पत्नी स्वर्गीय सरजू प्रसाद 2– राम संवारे 3– रामनाथ 4– अमरनाथ पुत्रगण स्वर्गीय सरजू प्रसाद 5– सोनी पत्नी राम प्यारे 6– साहिल पुत्र स्वर्गीय राम प्यारे 7– सचिन नाबालिग पुत्र स्वर्गीय राम प्यारे संरक्षिका माता स्वयं सोनी देवी 8– खुशी नाबालिग पुत्री स्वर्गीय राम प्यारे संरक्षिका माता श्रीमती सोनी पत्नी स्वर्गीय राम प्यारे समस्त निवासीगण ग्राम व पोस्ट– भावापुर परगना पश्चिम राठ तहसील बीकापुर जिला– अयोध्या
तारीख पेशी 16–11–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 24 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0
M.N.R.N0. 107/2024
सत्य नरायन दास
बनाम
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम
मृतक–सियाराम दास शिष्य बद्रीदास निवासी मकान नं. 18/1/25 रास बिहारी सदन तुलसीनगर अयोध्या परगना– हवेली अवध तहसील सदर जिला – अयोध्या
मृत्यु दिनांक–
पेशी दिनांक– 21–10–2024
अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।
चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 10 के 21 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।
अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 21–10–2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।
आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।
द0 हाकिम

संतो महंतों ने श्रीविजयराम भक्तमाल के महंत को अर्पित की श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्रसिद्ध पीठ श्रीविजयराम भक्तमाल रामघाट अहिराना में एक शोकसभा का आयोजन किया गया। शोकसभा की अध्यक्षता बड़ाभक्तमाल के वयोवृद्ध महंत कौशलकिशोर दास महाराज एवं संचालन महंत रामशरण दास रामायणी ने किया। श्रीविजयराम भक्तमाल के महंत रहे विजयराम दास महाराज का 78 वर्ष की अवस्था में विगत 12 अक्टूबर को साकेतवास हो गया। जिन्हें लोग भईयाजी के नाम से भी जानते थे। वह इसी नाम से प्रसिद्ध रहे। महाराजश्री के साकेतवास उपरांत विजयराम भक्तमाल में शोकसभा आयोजित हुई। जिसमें रामनगरी के संत–महंतों ने महंत विजयराम दास महाराज के प्रति अपनी भावांजलि अर्पित करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मणिरामदास दास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास महाराज ने कहा कि साकेतवासी महंत अप्रतिम प्रतिभा के धनी संत रहे। भगवान श्रीराम सीता के प्रति उनकी अटूट भक्ति रहे। वह आज हमारे बीच में नही हैं। भगवान उन्हें अपने चरणों में स्थान दें। संकटमोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास महाराज ने कहा कि महाराज श्री के बारे में जितना कहा जाए वह कम ही होगा

महंत रामचरण दास महात्यागी को संतो ने अर्पित की श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनगरी के प्रमोदवन स्थित चित्रकुटी मंदिर साकेतवासी महंत रामचरण दास महात्यागी (फलाहारी) महाराज को 12वीं पुण्यतिथि पर संतों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। बुधवार को अयोध्यानगरी के संत–महंतों ने पूर्वाचार्य महंत के चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। साकेतवासी महंत के कृतित्व–व्यक्तित्व पर प्रकाश भी डाला। इस मौके पर नंदीग्राम चित्रकुटी मंदिर के वर्तमान महंत उत्तम दास महात्यागी महाराज ने कहा कि उनके गुरूदेव ने इस आश्रम की स्थापना किया और उसका कार्यभार सम्भाला। मंदिर के विकास में हमेशा कृत–संकल्पित रहे। गुरूदेव भजनानंदी संत रहे। हमेशा भजन–साधना में तल्लीन रहा करते थे। नित्य सरयू स्नान उनकी दिनचर्या शामिल था। उन्होंने बताया कि भगवान राम, सीता के प्रति अटूट भक्ति रही। वह भगवान के अनन्य उपासक थे। महंत ने कहा कि वह अपने गुरूदेव के बतलाए हुए मार्ग का अनुसरण कर दिन–प्रतिदिन आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही मंदिर के उत्तरोत्तर विकास में संकल्पित रहेंगे। आश्रम में गौ, संत, विद्यार्थी और आगंतुक सेवा सुचारू रूप से चलती रहेगी। महंत उत्तम दास ने पधारे संत–महंतों व विशिष्टजनों का स्वागत–सत्कार किया। इस अवसर पर मणिरामदास छावनी उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, बधाई भवन के महंत राजीव लोचन शरण बावन मंदिर के महंत वैदेही वल्लभ शरण,महंत उद्धव शरण, महंत प्रियाप्रीतम शरण, महंत प्रिया शरण,श्रृंगार कुंज महंत हरिभजन दास, डाड़िया महंत गिरीश दास, महंत भूषण दास, महंत धर्मदास, प्रियेश दास, संतदास , हनुमानगढ़ी के महंत रमेश दास, महंत रामशरण रामायणी, पूर्व पार्षद संजय पांडे, राजस्थान से श्री महाराज जी के शिष्य भागीरथी मीणा छकरवाड़ा बूची, महावीर जांगिड़ मुड़ी बूची, नन्द किशोर मीणा कोटा दोस्तपुर, जगदीश जांगिड़ गोविन्द बावड़ी बूंदी, रामस्वरूप जांगिड़ गुढ़ासदावर्तिया बूंदी, हेमराज मीणा मायजा कोटा,सुसिला मीणा कोटा, यशवन्त मीणा छकरवाड़ा बूंदी के साथ कोटा और बूंदी जिला राजस्थान से दर्जनों भक्ति अयोध्या पहुंचकर श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

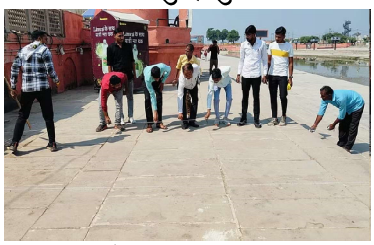

अयोध्या में दीपोत्सवः 28 लाख दीयों को बिछाने के लिए मार्किंग प्रक्रिया शुरू, पुराना रिकार्ड तोड़ने की कोशिश

संवाददाता–अयोध्या। शुरू हुआ दीपोत्सव अब आठवीं बार कीर्तिमान बनाने को तैयार है। प्रशासन ने कमर कस ली है और काउंटडाउन भी शुरू हो गया है। अब बस इंतजार है 30 अक्टूबर को होने वाले मुख्य आयोजन का। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की तरफ से दीपोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए दो दर्जन से अधिक कर्मियों के साथ राम की पैड़ी के घाटों पर मार्किंग का कार्य शुरू कर दिया है। बुधवार को पूर्वांह्न कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के दिशा–निर्देशन में विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव मोहम्मद सहील ने दूसरी बार मार्किंग की कमान सम्भाली। उन्होंने माइक्रोबायोलाजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रंजन सिंह व कर्मियों के साथ दीपोत्सव के दिन 25 लाख दीए प्रज्ज्वलित किए जाने को लेकर 28 लाख दीए सजाने के लिए घाटों पर मार्किंग का कार्य कराया। उप कुलसचिव सहील ने बताया कि एक सप्ताह में घाटों पर मार्किंग का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। मुख्यमंत्री के निर्देशन तथा कुलपति के कुशल प्रबंधन में रामनगरी का आठवां दीपोत्सव और भव्य होगा। विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, इण्टर कालेज व एनसीओ के स्वयंसेवक पुनः पिछड़ा रिकार्ड तोड़कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में रामनगरी अयोध्या का नाम फिर से दर्ज कराने के लिए कमान संभाल चुके हैं।

दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र ने बताया कि एक सप्ताह में राम की पैड़ी के 55 घाटों पर मार्किंग कार्य पूरा कर लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि 20 अक्टूबर तक स्वयंसेवकों के आई कार्ड देर शाम से वितरित होना शुरू हो जायेगा। राम की पैड़ी पर 25 लाख दीपों को प्रज्ज्वलित करने व 28 लाख दीए बिछाने के लिए 30 हजार स्वयंसेवकों को क्यूआर कोड से सुसज्जित आईकार्ड दिया जायेगा। इस आई कार्ड को फुलप्रूफ बनाने के लिए कई फीचर्स भी शामिल किए गए हैं। इससे स्वयंसेवकों के आईकार्ड में डुप्लीकेसी नहीं हो सकेगी। उन्होंने बताया कि इस क्यूआर कोड से लैस आईकार्ड में स्वयंसेवकों का नाम, फोटो, मोबाइल नम्बर, तैनाती स्थल एवं क्रमांक अंकित रहेगा। इसके अतिरिक्त आईकार्ड में जिला प्रशासन के प्राधिकृत अधिकारी, दीपोत्सव नोडल अधिकारी के साथ प्राधिकृत संस्था या इकाई के हस्ताक्षर रहेंगे। दीपोत्सव में अयोध्या के धर्मपथ और रामपथ को भी जगमग किया जाएगा। इसके लिए लखनऊ के ताज रेडियो एंड इलेक्ट्रिक कंपनी को लाइटिंग की व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है। राम कथा पार्क के पास इलेक्ट्रीशियन कैम्प लगा कर लाइटों को तैयार करने का कार्य कर रहे हैं।

रामपथ और धर्मपथ के साथ लगभग 2 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में भव्य लाइटिंग की व्यवस्था के लिए तैयारी की जा रही है। डेकोरेटिव वॉल, इलेक्ट्रिक गेट और आर्टिफिशियल इलेक्ट्रिक लाइटों से पिलर को तैयार किया जा रहा है। 25 अक्टूबर तक कार्य पूरा कर लिया जाएगा। पर्यटन अधिकारी राजेंद्र प्रसाद यादव ने बताया कि दीपोत्सव में विभिन्न प्रकार की झांकियां का भी आयोजन किया जाएगा। सूचना और पर्यटन विभाग के द्वारा झांकियों को तैयार करने के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। 30 अक्टूबर को साकेत महाविद्यालय में रामायण कालीन प्रसंग मंचन करने के लिए 18 झांकियां बनाई जा रही हैं, जिसमें 11 झांकियां सूचना विभाग और सात झांकियां पर्यटन विभाग की ओर से तैयार की जाएंगी।

इजरायल के राजदूत ने अयोध्या पहुंचकर किया रामलला का दर्शन

संवाददाता–अयोध्या। भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अजार अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने राम जन्मभूमि मंदिर का दौरा किया। रूवेन अजार ने अपनी पत्नी के साथ अयोध्या के भव्य राम मंदिर का दौरा किया. उन्होंने कहा कि वे यहां के तीर्थयात्रियों और भक्तों की भक्ति से अभिभूत हैं। रियुवेन अजार ने कहा कि मेरे लिए यह सम्मान की बात है कि अयोध्या आकर भगवान राम के दर्शन का सौभाग्य मिला है। मैं यहां आकर श्रद्धालुओं को देखकर भी अभिभूत हूं, जो हर दिन इतनी बड़ी संख्या में आते हैं।उन्होंने कहा, 'इजरायल और भारत के लोग प्राचीन काल से ही साथ हैं। उनकी संस्कृति, विरासत और परंपरा प्राचीन हैं। जैसे हमें अपनी विरासत पर गर्व है, उसी तरह आपको भी अपनी विरासत पर प्राउड है। यह बहुत जरूरी है क्योंकि समर्पण और गर्व का भाव ही आपको शक्ति प्रदान करता है। इसीलिए मैं यहां आया हूं और देखा कि लोगों का कैसे भाव भगवान राम की भक्ति को लेकर है।' उन्होंने अयोध्या के राम मंदिर निर्माण को लेकर हुए संघर्ष पर भी संकेतों में ही बात की।

इजरायली राजदूत ने कहा, 'जैसा कि हम कहते हैं कि स्थान का बहुत महत्व होता है। ऐसा इसलिए कि यह कोई कल्पना की बात नहीं है। इतिहास में यहां चीजें हुईं हैं और लोग उसे हर दिन याद करते हैं। साल दर साल वह परंपरा चलती जाती है और हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाती है। इजरायल के राजदूत के तौर पर यह अहम है कि हम यहां आए और भगवान के दर्शन किए। इसके अलावा लोगों से मुलाकात की। मैं यहां अपनी पत्नी के साथ आया हूं और भारतीय संस्कृति को गहराई से समझने का प्रयास किया है।' इजरायली अधिकारी ने मंगलवार को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की थी।

'संविधान बचाओ संकल्प सम्मेलन' में बोले अजय राय, बहराइच हिंसा के पीड़ितों को एक करोड़ दे सरकार

संवाददाता–अयोध्या। मिल्कीपुर में बुधवार को विपक्ष "संविधान बचाओ संकल्प सम्मेलन" का आयोजन कर रहा है। इस आयोजन में शामिल होने के लिए आए कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और महासचिव अविनाश पांडेय ने अयोध्या पहुंच कर हनुमान गढ़ी में भगवान हनुमान के दर्शन किए। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने आईएएनएस से बात करते हुए इस सम्मेलन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अजय राय ने कहा, "हम हनुमान जी की प्रार्थना करते हैं, क्योंकि वे भगवान राम के भक्त हैं। हनुमान जी के बिना पूजा का आयोजन भी कठिन हो जाता है। हमने उनसे प्रार्थना की है कि हमारे प्रदेश में अमन और चौन स्थापित हो, खासकर आजकल जो अमानवीय घटनाएं हो रही हैं, विशेष रूप से छोटी–छोटी बच्चियों के साथ। हनुमान जी की शक्ति हमें इस मिशन में एकजुट होने और सद्बुद्धि पाने में मदद करेगी। आज हम यहां संविधान संकल्प सम्मेलन के आठवें आयोजन में एकत्र हुए है। इसके बाद दो और सम्मेलन भी होंगे। हम सभी मिलकर इसकी शुरुआत करेंगे।

यह समय है कि हम सब एकजुट होकर इस विचार को आगे बढ़ाएं।"

इसके बाद अजय राय ने बहराइच हिंसा पर कहा, " हमें यह भी समझना होगा कि कुछ लोग केवल दिखावा कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ द्वारा बुलाए गए लोग वास्तव में काम नहीं कर रहे हैं। मैं यह प्रस्ताव रखता हूं कि जिन परिवारों का नुकसान हुआ है, उन्हें एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दी जाए और सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। साथ ही, जिनके घर जलाए गए हैं, उन्हें भी उचित क्षतिपूर्ति मिलनी चाहिए। इस हिंसा में शामिल अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।"

साथ ही अजय राय ने राज्य में होने वाले उपचुनाव पर कहा, "राज्य में होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी एकजुट होकर लड़ने का निर्णय ले चुकी है, और हमें पूरा विश्वास है कि हम सभी दस सीटों पर विजय प्राप्त करेंगे। विशेष रूप से अयोध्या वासियों का धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने भगवान श्री राम और हनुमान जी के प्रति अपनी भक्ति का प्रदर्शन करते हुए भारतीय जनता पार्टी को यहां से हराया। उनके गलत मंसूबों को पूरी तरह से नकारते हुए, अयोध्या ने पूरे देश को एक स्पष्ट संदेश दिया है।"

मदद मिली तो छूटा साढ़े छह साल से जेल में बंद दहेज हत्यारोपित पति

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की टीम की मदद से साढ़े छह साल से जेल में बंद दहेज हत्यारोपित पति को रिहाई मिली। पीड़ित खलीलाबाद के गोलाबाजार का रहने वाला है। जेल से छूटकर आए हत्यारोपित पति के आंखों से उस समय आंसू छलक गए, जब उसने सास के द्वारा स्वयं व परिवार के लोगों को फर्जी तरीके से फंसाने तथा स्वयं को जिला कारागार में छह साल छह माह 25 दिन तक निरुद्ध रहने की बात दुहराई।

लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ अन्जय कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में डिप्टी संजीव कुमार पांडेय व असिस्टेंट मो. दानिश व प्रज्ञा श्रीवास्तव की टीम पीड़ितों को न्याय दिला रही है। अन्जय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बरेली जिले के बहेड़ी थाना क्षेत्र के माथुर रोड, रामलीला बहेड़ी गांव निवासिनी विमलेश ने कोतवाली खलीलाबाद में 22 दिसंबर 2015 को मुकदमा दर्ज कराया। कहा कि उन्होंने अपनी बेटी का विवाह चार जुलाई 2014 को गोला बाजार खलीलाबाद निवासी श्याम सुंदर गुप्ता के साथ किया था। उनका आरोप था कि विवाह के कुछ दिन के बाद से ससुराल के लोग दहेज की मांग को लेकर उसे बात–बात पर मारते–पीटते रहते थे। उसके एक पुत्र भी पैदा हुआ, जिसकी बाद में मृत्यु हो गई। दिनांक 14 दिसंबर 2015 को उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर बताया कि उसके दामाद श्यामसुंदर उर्फ मक्के, ससुर बालकिशन गुप्ता, ससुर के भाई रामकिशन, देवर राम सुंदर, ननद अन्नू, साधना, आराधना तथा साधना के पति विनोद ने मिलकर दहेज के लिए बेटी को जला दिया। उसे लेकर मेडिकल कालेज गोरखपुर गएर। वहां से रेफर होने पर लखनऊ गए, जहां 18 दिसंबर 2015 को उसकी मृत्यु हो गई। सास द्वारा सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया गया। आरोपित पति को 29 दिसंबर 2015 व उसके पिता बालकिशन गुप्ता को दो जनवरी 2016 को गिरफ्तार कर जिला कारागार बस्ती भेज दिया गया। विवेचना के बाद केवल पति और ससुर के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित हुआ। दौरान मुकदमा ससुर की मृत्यु हो गई। अपर जिला व सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक द्वितीय देवेंद्र नाथ गोस्वामी ने बचाव पक्ष के अधिवक्ता अन्जय कुमार श्रीवास्तव की दलीलों को सुनने तथा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद अभियोजन पक्ष द्वारा दाखिल साक्ष्य साबित न हो पाने के कारण संदेह का लाभ देते हुए आरोपित को दोषमुक्त कर दिया है।

कूड़े के ढ़ेर पर लावारिस पड़ा था नवजात डॉक्टर बने भगवान, बची जान

संवाददाता–गोरखपुर। मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी के पीछे कूड़े के ढेर पर एक नवजात मिला। नवजात के रोने की आवाज सुनकर मौके पर डॉक्टर्स और नर्स पहुंचे। नवजात के पूरे शरीर पर चिटियों ने कब्जा कर लिया था। उन्होंने कूड़े के ढेर से उसे उठाया और साफ करके एसएनसीयू में एडमिट किया। सूचना पर चाइल्ड केयर और पुलिस भी पहुंची। आसपास की लोगों से नवजात के बाबत पता किया गया, लेकिन किसी ने इसके बारे में नहीं बताया। शहर के मेडिकल कॉलेज के इमर्जेंसी बिल्डिंग के पीछे मंगलवार की आधी रात के बाद करीब दो बजे बच्चे के रोने की आवाज आ रही थी। इसे सुनकर ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर्स और नर्स मौके पर पहुंचे। वहां नवजात शिशु कूड़े के ढेर पर पड़ा रो रहा था। नवजात के शरीर पर बड़ी संख्या में चिटियां चिपकी हुई थीं। डॉक्टर्स और नर्स ने झाड़कर साफ किया और नवजात शिशु को एसएनसीयू में भर्ती कराया। समय से उपचार मिल जाने से नवजात की हालत स्थिर है और खतरे से बाहर है। सूचना पर मेडिकल चौकी पुलिस और चाइल्ड केयर कर्मी भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने आसपास के लोगों से नवजात के बाबत पता किया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल पाई। इधर नवजात के मिलने की सूचना के बाद मौके पर लोग उमड़ पड़े। सभी उस अभागीन मां को कोसे जा रहे थे जिसने नवजात को मरने के लिए कूड़े के ढेर पर फेंक दिया था। संयोग था कि चिटियों के काटने के दर्द से नवजात रोने लगा और ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर व नर्स को उसकी आवाज सुनाई दी। संयोग था कि किसी जानवर के चंगुल में मासूम आया होता तो स्थिति और भयवाह होती। हर कोई मासूम को देख खरीखोटी सुनाए जा रहा था। चौकी प्रभारी मोहम्मद रिजवान ने बताया कि रात दो बजे घटना की जानकारी मिली। मौके पर पहुंचकर नवजात को भर्ती कराया गया। मामले की जांच की जा रही है। इधर मेडिकल कॉलेज के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम ने बताया कि रात में इमरजेंसी में डॉक्टर्स और नर्स ड्यूटी पर थे। उन्हें बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। उन्होंने जाकर देखा कि एक नवजात बच्चा था। उसे एसएनसीयू में एडमिट कराया गया है। बच्चा स्वस्थ है, जबकि शरीर पर चिटियों के काटने के निशान मौजूद हैं। पुलिस और चाइल्ड केयर के लोग भी पहुंच गए थे। बच्चे की हालत ठीक है उसका वजन 2.7 किलोग्राम है। किसी ने एक्सेप्ट नहीं किया है कि यह मेरा बच्चा है।

खसरा से पीड़ितों के घर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम

संवाददाता–गोरखपुर। बूढाडीह में बीते छह दिनों से खसरा से पीड़ित परिवारों के घर स्वास्थ्य विभाग की टीम बुधवार को पहुंची। टीम द्वारा बीमारों के परिजनों को रोग से बचाव की जानकारी देने के साथ ही आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गईं। बुढाडीह निवासी जिला पंचायत के पूर्व सदस्य मनभोग सिंह ने बताया कि बुधवार को समाचार पत्र में खबर प्रकाशित होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में पहुंची और रोगियों के परिजनों से सम्पर्क किया। चिकित्सक डॉ. जीपी गुप्ता ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा गांव में छह लोगों के खसरा से पीड़ित होने की पुष्टि की गई है। सभी की हालत सामान्य बताई जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम डेंगू से पीड़ित युवक के घर भी पहुंची। बताया जा रहा है कि युवक को दिल्ली में बुखार हुआ था। इलाज के बाद कोई लाभ नहीं हुआ तो वह घर आ गया। इसके बाद उसके परिजन इलाज कराने के लिए बीते सोमवार को सीएचसी लेकर पहुंचे थे। जांच के बाद डेंगू की पुष्टि हुई थी।

सहकारिता क्षेत्र में डीएपी और एनपीके की कमी नहीं

संवाददाता–गोरखपुर। सहकारिता गोरखपुर के सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक नीरज कुमार ने बताया कि गोरखपुर जनपद में सहकारिता क्षेत्र में बफर गोदाम एवं बिक्री केंद्र पर रबी की बुआई के लिए डीएपी और एनपीके पर्याप्ता मात्रा में बिक्री के लिए उपलब्ध है। बताया कि सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को समिति सचिवों के माध्यम से निर्धारित रोस्टर का अनुपालन करते हुए उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। नीरज कुमार ने सभी किसानों से अपील किया कि जोत बही लेकर समिति से अपनी आवश्यकतानुसार रकबा के आधार पर फास्फेटिक उर्वरक की खरीददारी करें। उर्वरक की कीमत का भुगतान बोरे पर अंकित मूल्य के आधार पर ही करें।

घर से नकदी-गहने लेकर युवक के साथ युवती फरार

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र के एक युवक पर गांव की युवती को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप लगा है। युवती अपने साथ 2.5 लाख का जेवर व 3 लाख रूपये नगद लेकर गई है। मां की तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों पर केस दर्ज किया है। गुलरिहा इलाके के एक गांव की रहने वाली 18 वर्षीय युवती का प्रेम संबंध एक युवक से हो गया। इसकी जानकारी होने पर घरवाले उसे समझा रहे थे। लेकिन, इसी बीच सोमवार को युवती घर से नकदी व जेवर लेकर लापता हो गई।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
एम0ए0सी0पी0 नं0– 90/2024
न्यायालय–श्रीमान मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय बस्ती जिला–बस्ती
इंद्रमणि वर्मा
बनाम
सुरेन्द्र आदि
1. सुरेन्द्र पुत्र राजकुमार मोहल्ला कंपनीबाग महरीखांवा पोस्ट गांधीनगर थाना कोतवाली जिला–बस्ती (चालक वाहन टेम्पो पंजीयन संख्या यू0पी0 51 ए0टी0/0706)
2. मोहम्मद सलमान पुत्र मोहम्मद शमीम मोहल्ला जामा मस्जिद के पास गांधीनगर पोसट गांधीनगर थाना कोतवाली जिला–बस्ती (वाहन स्वामी टेम्पो पंजीयन संख्या यू0पी0 51 ए0टी0/0706)
तारीख पेशी 17–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान नायब तहसीलदार कुदरहा बस्ती जिला–बस्ती
मु0नं0–398
कायमी नं0 /2022
धारा 34 भू0रा0अधि0
माया देवी
बनाम
सूर्यकुमारी
ग्राम गंगहर तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
1. शशिवाला चौधरी पत्नी पवन कुमार साकिन मौजा वैदाकला तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 21–10–2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 21 माह 10 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
कंटेम्प्ट प्रकीर्णवाद सं0 22/2024
रामचन्द्र
बनाम
राजेन्द्र प्रसाद आदि
1. राजेन्द्र प्रसाद उम्र लगभग 59 वर्ष पुत्र रामआसरे 2. दिलीप चौधरी उम्र लगभग 40 वर्ष 3. विवेक चौधरी उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्रगण राजेन्द्र प्रसाद निवासीगण मौजा डंडिया तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
–विपक्षी/प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
4. महेन्द्र वर्मा पुत्र तामेश्वर वर्मा निवासी ग्राम बेदूखोर हाल मुकाम ग्राम देईसांड़ तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
–विपक्षी/प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 20–11–2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 20 माह 11 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान नायब तहसीलदार कुदरहा बस्ती जिला–बस्ती
मु0नं0–589/673
कायमी नं0 /2022
धारा 34 भू0रा0अधि0
श्रीमती प्रभा चौधरी
बनाम
प्रताप श्रीवास्तव
ग्राम गंगहर तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
1. श्रीमती प्रभा चौधरी पत्नी हनुमान प्रसाद चौधरी साकिन मौजा गंगहर तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 21–10–2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 21 माह 10 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 08 माह 10 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0– 63/2017
त्रिलोकी प्रसाद
बनाम
पुरूषोत्तम दास
1/4 गुड़िया उर्फ आराधना उम्र 38 साल 1/5 संगीता उम्र लगभग 35 साल 1/6 पूजा उम्र लगभग 33 साल पुत्रीगण स्व0 पुरूषोत्तम दास निवासीगण मोहल्ला पिकौरा बक्श बाटा गली गांधी नगर बस्ती वार्ड नं0–5 तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 12–11–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 12 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल निगरानी सं0– 07/2024
अदालत– श्रीमान षष्टम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला बस्ती
बीरबल सिंह
बनाम
मनोज कुमार सिंह आदि
1. मनोज कुमार सिंह उर्फ मनोज सिंह आयु लगभग 39 साल पुत्र पटई सिंह उर्फ शिवरतन सिंह 2. दुर्गा प्रसाद सिंह उर्फ दुर्गाशंकर सिंह आयु लगभग 26 साल पुत्र विन्देश्वरी 4. पवन कुमार आयु लगभग 32 साल 5. रोहित कुमार आयु लगभग 28 साल 6. दिलीप कुमार आयु लगभग 21 साल 7. अर्जुन कुमार आयु लगभग 19 साल पुत्रगण मनीराम 8. भगवान सिंह आयु लगभग 37 साल 9. कन्हैया सिंह आयु लगभग 35 साल 10. जगदीश आयु लगभग 28 साल 11. अंकुर सिंह आयु लगभग 24 साल 12. विनोद सिंह आयु लगभग 24 साल 13. भोला आयु लगभग 19 साल पुत्रगण राजाराम साकिनान मौजा कोहराये तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 07–11–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 11 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 09/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रंगीलाल आदि
बनाम
गिरजेश आदि
1. गिरजेश 2. सीताराम पुत्रगण रामदत्त साकिनान मौजा सोधिया तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 03–12–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com